प्रार्थना से परमेश्वर के करीब आइए (भाग 2)

बाइबल असल में क्या सिखाती है? के अध्याय 17 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

मकसद: जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।

हमें प्रार्थना कैसे करनी चाहिए?

1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

दूसरे लोग शायद क्या कहेंगे?

_____

_____

आप क्या मानते हैं?

_____

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

_____

_____

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

हमें यहोवा परमेश्वर से, उसके बेटे यीशु मसीह के ज़रिए प्रार्थना करनी चाहिए। हमें ऐसी हर बात के बारे में प्रार्थना करनी चाहिए जो परमेश्वर की मरज़ी के मुताबिक है।

(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 17 के पैराग्राफ 9-12 देखें।)

मत्ती 6:9 और यूहन्ना 14:6 पढ़िए।

इन आयतों से कैसे पता चलता है कि हमें सिर्फ यहोवा से प्रार्थना करनी चाहिए और वह भी यीशु के ज़रिए?

1 यहून्ना 5:14 पढ़िए।

ऐसी कुछ बातें क्या हैं जो 'परमेश्वर की मरज़ी के मुताबिक' हैं और हम उससे माँग सकते हैं? (सुरागः मत्ती 6:9-13; कुलुस्सियों 4:12; याकूब 1:5 देखें।)

आम तौर पर बड़े लोगों से बात करने के लिए हमें अपॉइंटमेंट लेनी पड़ती है। मगर यहोवा से हम कभी-भी प्रार्थना कर सकते हैं

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

हमें नियमित तौर पर और सच्चे दिल से प्रार्थना करनी चाहिए।

(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 17 के पैराग्राफ 13-15 देखें।)

मत्ती 26:41 और 1 थिस्सलुनीकियों 5:17 पढ़िए।

इन आयतों से कैसे पता चलता है कि यहोवा ने ऐसा कोई नियम नहीं बनाया है कि हम उससे कितनी देर तक और कितनी बार प्रार्थना कर सकते हैं?

1 इतिहास 16:36 और 1 कुरिंथियों 14:16 पढ़िए।

जब भी हम प्रार्थना करते हैं तो आखिर में क्या कहना सही होगा?

ऐसी कुछ बातें क्या हैं जिनके बारे में ***आप*** इस हफ्ते प्रार्थना कर सकते हैं?

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

यीशु और संतों से प्रार्थना करना गलत नहीं है।

आप कह सकते हैं . . .

बहुत-से धर्म गुरु यही सिखाते हैं। मगर मैं कुछ और मानता हूँ क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

अगर कोई कहे . . .

अपनी निजी ज़रूरतों के बारे में प्रार्थना करना गलत है।

आप कह सकते हैं . . .

कई लोगों का ऐसा मानना है। मगर मैं बाइबल में बतायी इस बात को मानता हूँ . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania